

वृक्ष हैं प्रकृति की आत्मा : प्रो. सुदेश



विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव • सौ. प्रवक्ता

वि. गोहाना : मंगलवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन सेंटर के तत्वावधान में नशा छोड़ो, वृक्ष जोड़ो अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश और कुलसचिव प्रो. शिवालिक ने पौधारोपण किया। कुलपति ने कहा कि हमारे जीवन का आधार प्रकृति है और प्रकृति की आत्मा वृक्ष हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु, छाया, फल एवं फूल और

औषधियां प्रदान करते हैं। आज जब वैश्विक तापमान और प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है तब पौधारोपण केवल एक पर्यावरणीय गतिविधि नहीं अपितु आने वाली पीढ़ियों के लिए एक पवित्र दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रति वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल अपने बच्चे की तरह करे। अध्यक्षता छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता ने की।

कुलपति व कुलसचिव ने पौधारोपण कर नशा मुक्त समाज व स्वच्छता का दिया संदेश

गोहाना, 26 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आज नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पौधारोपण

कार्यक्रम का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह द्वारा तथा कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने पौधारोपण कर नशा



मुक्त समाज व विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण स्वच्छता का संदेश करते कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव। दिया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि हमारे

जीवन का आधार प्रकृति है और प्रकृति की आत्मा वृक्ष हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु, छाया, फल-फूल और औषधियां प्रदान करते हैं। कुलपति ने कहा कि आज जब वैश्विक तापमान और प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है, तब पौधारोपण केवल एक

पर्यावरणीय गतिविधि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक पवित्र दायित्व है। कुलपति ने सभी से आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम-से-कम एक पौधा

अवश्य लगाए और उसकी देखभाल अपने बच्चे की तरह करे। यदि हम सब मिलकर इस संकल्प को जीवन का हिस्सा बना लें तो हमारा परिसर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज हरा-भरा और स्वस्थ बनेगा।

जाएगा। कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि एक पौधा लगाने का अर्थ है जीवन के लिए नया संकल्प लेना। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मंजू पंवार, नोडल अधिकारी तथा डॉ. कृतिका, उप-नोडल अधिकारी द्वारा किया गया।